चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25-9-25	02	2-5

रोगी के मूल कारणों का निवारण करता है आयुर्वेदिक उपचार : प्रो. बीआर काम्बोज

हकृवि में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में लोगों और पृथ्वी के लिए योग- थीम पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के औषधीय सुगंधित एवं क्षमतावान अनुभाग और भू -दृश्य संरचना इकाई द्वारा आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की जबकि श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि आयुर्वेद केवल लोगों के उपचार का माध्यम ही नहीं बल्कि शरीर को स्वस्थ रखने में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद रोगी के मूल कारणों का निवारण करता है। आयुर्वेद दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य इसका प्रचार एवं प्रसार करने के साथ-साथ इस पद्धति के बारे में लोगों को जागरूक करना भी है। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा और पोषण सुरक्षा में औषधीय पौधों का विशेष महत्व है, इसलिए

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज औषधीय पौधे वितरित करते हुए • जागरण

विश्वविद्यालय में वैज्ञानिकों द्वारा निरंतर औषधीय पौधों पर विभाग द्वारा शोध कार्य किए जा रहे हैं। मुख्य अतिथि ने उद्यमिता पर जोर देते हुए कहा कि औषधीय उद्यमिता बढ़ाने के लिए आवश्यक है कि हम पारंपरिक ज्ञान, आधुनिक वैज्ञानिक शोध और सरकारी योजनाओं का समन्वय करें ताकि एक सकारात्मक वातावरण तैयार हो। कुलपति ने वैज्ञानिकों को हकृवि और श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र आयुर्वेद के क्षेत्र में सयुंक्त रूप से शोध कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

आयुर्वेद प्राकृतिक संतुलन और दीर्घकालिक स्वास्थ्य करता है प्रदान : मुख्य वक्ता प्रो. धीमान ने कहा कि आज पूरी दुनिया में लोग प्राकृतिक चिकित्सा, योग और आयुवद की ओर आकर्षित हो रहे हैं जिससे इसकी महता और बढ़ गई है। आयुर्वेद हमें प्राकृतिक संतुलन और दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इसमें जड़ी-बूटियों, धातुओं, खनिजों और प्राकृतिक संसाधनों से बने औषधियों का उपयोग किया जाता है। जीवन को ठीक प्रकार से जीने का विज्ञान ही आयुर्वेद है। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार के लिए हमें आयुर्वेदिक ज्ञान को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाना चाहिए।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों का विकल्प दिया

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती की पूर्व संध्या पर मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में एक गोष्ठी आयोजित की गई। 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अर्थायाम एवं चौधरी चरण सिंह की गांधीवादी अर्थव्यवस्था-समानताओं का संगम' विषय पर आयोजित इस विचार गोष्ठी में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि जबकि मुख्य वक्ता के तौर पर डॉ. अतुल जैन उपस्थित रहे। कुलपति प्रो काम्बोज ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों का विकल्प दिया और भारतीय संस्कृति, नैतिकता तथा ग्राम आधारित अर्थव्यवस्था पर विकास माडल प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि उनका एकात्मक मानववाद भारतीय समाज को सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने राजनीति को राष्ट्र निर्माण और समाज सुधार का साधन माना।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25-9-25	04	4-5

एयएयू में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम

आयुर्वेद-जीवन शैली और प्रकृति संग संतुलन का मार्ग : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में लोगों और पृथ्वी के लिए योग-थीम पर कार्यक्रम किया गया। विवि के औषधीय सुगंधित एवं क्षमतावान अनुभाग और भू -दृश्य संरचना इकाई ने आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य पर कार्यक्रम किया। इसमें कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की जबकि श्रीकृष्णा आयुष विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि आयुर्वेद केवल लोगों के

उपचार का माध्यम ही नहीं बल्कि शरीर को स्वस्थ रखने में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद रोगी के मूल कारणों का निवारण करता है। आयुर्वेद-जीवन शैली और प्रकृति संग संतुलन का मार्ग है।

मुख्य वक्ता प्रो. करतार सिंह धीमान ने कहा कि आज पूरी दुनिया में लोग प्राकृतिक चिकित्सा, योग और आयुर्वेद की ओर आकर्षित हो रहे हैं जिससे इसकी महता और बढ़ गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	25-9-25	07	7-8

आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम

आयुर्वेद करता रोग के मूल कारणों का निवारण : प्रो. बीआर काम्बोज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा है कि आयुर्वेद केवल लोगों के उपचार का माध्यम ही नहीं बल्कि शरीर को स्वस्थ रखने में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने यह भी कहा कि आयुर्वेद रोग के मूल कारणों का निवारण करता है। प्रो. बीआर काम्बोज मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के औषधीय सुंगधित एवं क्षमतावान अनुभाग और भू-दृश्य सरंचना इकाई द्वारा आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे जबकि श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान मुख्य वक्ता रहे। मुख्य वक्ता प्रो. धीमान ने कहा कि आज पूरी दुनिया में लोग प्राकृतिक चिकित्सा, योग और आयुर्वेद की ओर आकर्षित हो रहे हैं जिससे इसकी महता और बढ़ गई है। आयुर्वेद हमें प्राकृतिक संतुलन और दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रदान करता है। योग को प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति बताते हुए उन्होंनं कहा कि इसमें जड़ी-बूटियों, धातुओं, खनिजों और प्राकृतिक संसाधनों से बने औषधियों का उपयोग किया जाता है। जीवन को ठीक प्रकार से जीने का विज्ञान ही आयुर्वेद है, क्योंकि यह विज्ञान केवल रोगों की चिकित्सा या रोगों का ही ज्ञान प्रदान नहीं करता अपितु जीवन जीने के लिए सभी प्रकार के आवश्यक ज्ञान की प्राप्ति भी करता है।

हिसार। औषधीय पौधे वितरित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25-9-25	04	7-8

हकृवि में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 24 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में लोगों और पृथ्वी के लिए योग-थीम पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के औषधीय सुंगधित एवं क्षमतावान अनुभाग और भू -दृश्य संरचना इकाई द्वारा आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की जबकि श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि आयुर्वेद केवल लोगों के उपचार का माध्यम ही नहीं बल्कि शरीर को स्वस्थ रखने में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। कुलपति ने वैज्ञानिकों को हकृवि और श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र आयुर्वेद के क्षेत्र में सयुंक्त रूप से शोध कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कैंपस स्कूल की छात्रा मैनी ने आयुर्वेद से संबंधित अपने विचार रखे। मंच संचालन छात्रा श्वेता ने किया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25-9-25	03	1-2

एचएयू में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती की पूर्ण संध्या पर गोष्ठी आयोजित

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती की पूर्व संध्या पर मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज में गोष्ठी की गई। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अर्थायाम एवं चौधरी चरण सिंह की गांधीवादी अर्थव्यवस्था-समानताओं का संगम विषय पर आयोजित इस विचार गोष्ठी में एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि जबकि मुख्य वक्ता के तौर पर डॉ. अतुल जैन उपस्थित रहे। कुलपति ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों का विकल्प दिया और भारतीय संस्कृति, नैतिकता तथा ग्राम आधारित अर्थव्यवस्था पर विकास मॉडल प्रस्तुत किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन एवं विचारों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि उनका एकात्मक मानववाद भारतीय समाज को सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने की प्रेरणा देता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	25-9-25	06	4-6

आयुर्वेद जीवन शैली और प्रकृति संग संतुलन का मार्ग : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 24 सितम्बर (विरेन्द्र वर्मा):चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में लोगों और पृथ्वी के लिए योग- थीम पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के औषधीय सुगंधित एवं क्षमतावान अनुभाग और भू -दृश्य सरंचना इकाई द्वारा आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की जबकि श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि आयुर्वेद केवल लोगों के उपचार का माध्यम ही नहीं बल्कि शरीर को स्वस्थ रखने में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। मुख्य अतिथि ने उद्यमिता पर जोर देते हुए कहा कि औषधीय उद्यमिता बढ़ाने के लिए आवश्यक है कि हम पारंपरिक ज्ञान, आधुनिक वैज्ञानिक शोध और सरकारी योजनाओं का समन्वय करें ताकि एक सकारात्मक वातावरण तैयार हो। कुलपति ने वैज्ञानिकों को हकृवि और श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र आयुर्वेद के क्षेत्र में सयुंक्त रूप से शोध कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में आयुर्वेद से संबंधित फोल्डर का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम में सभी को तुलसी के पौधे वितरित किए गए। मुख्य वक्ता प्रो. धीमान ने कहा कि आज पूरी दुनिया में लोग प्राकृतिक चिकित्सा, योग और आयुर्वेद की ओर आकर्षित हो रहे हैं जिससे इसकी महता और बढ़ गई है। कुलसचिव एवं भू - दृश्य सरंचना इकाई के विभागाध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि आयुर्वेद जीवन जीने की कला का एक तरीका है जो हमें जीने की पद्धति के बारे में जानकारी देता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष आयुर्वेद दिवस इसलिए मनाया जाता है ताकि इसके प्रचार प्रसार के साथ-साथ आम नागरिकों को भी जागरूक किया जा सके। अनुसंधान निदेशक डॉ राजवीर गर्ग ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा औषधीय पौधों के बारे में किए जा रहे शौध कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। औषधीय सुगंधित एवं क्षमतावान अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश आर्य ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। कैंपस स्कूल की छात्रा मैनी ने आयुर्वेद से संबंधित अपने विचार रखे। मंच संचालन छात्रा श्वेता ने किया। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी, किसान, महिलाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज औषीधीय पौधे वितरित करते हुए।